

II - 4

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 42]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 21, 1970/कार्तिक 30, 1892

No. 42]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 21, 1970/KARTIKA 30, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 4

PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए विधिक नियम और आदेश

Statutory Rules and Orders issued by the
Ministry of Defence

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 4th November 1970

S.R.O. 457.—In exercise of the powers conferred by section 184 of the Navy Act, 1957 (62 of 1957), the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Navy (Pension) Regulations, 1964, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Navy (Pension) "Second Amendment" Regulations, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Navy (Pension) Regulations, 1964; for regulation 183, the following regulation shall be substituted, namely:—

"183. *Payment in respect of insane pensioners.*—When a pensioner is certified by a magistrate to be insane, the payment of pension or gratuity, or children's allowance shall be regulated by the competent authority as under:—

(a) *Where the insane pensioner is lodged in an asylum.*—The whole of the pension or gratuity or children's allowance shall be paid to the dependants of the pensioner on the production of the life certificate and the pension certificate as required under regulations 189 and 194, the question of payment by them of the cost of the pensioner's maintenance being left to be decided by the court on an application made by the asylum authorities in accordance with the provisions of section 26 of the Indian Lunacy Act, 1912 (4 of 1912).

- (b) *Where the insane pensioner is in the charge of his or her dependants.*—The whole of the pension or gratuity or children's allowance shall be paid to the dependants of the pensioner on production of the documents referred to in clause (a).
- (c) *Where the insane pensioner is in the charge of a friend or any other relation.*—The pension or gratuity or children's allowance shall be payable in two shares—one to the person having charge of the lunatic and another to the dependants of the pensioner on production of the documents referred to in clause (a). The size of the two shares shall be determined by the competent authority in consultation with the local civil authorities and, pending such determination, half of the pension or gratuity or children's allowance shall be paid to the dependants of the pensioner.

Explanation.—For the purpose of resuming payment to the pensioner on his regaining sanity, certificate of the magistrate to that effect shall be obtained."

[(File No. PN/2238/PC-XI/4945/D(Pensions/Services)]
(Ministry of Finance (Def) u.o. No. 2781-Pen of 1970)]
N. S. S. RAJAN, Dy. Secy.

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 4 नवम्बर 1970

क्रा० नि० आ० 457—नौसेना अधिनियम, 1957 (1957 का 62) की धारा 184 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार नौसेना (पेंशन) विनियम, 1964, में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) ये विनियम नौसेना (पेंशन) "द्वितीय संशोधन" विनियम, 1970 कहे जा सकेंगे।

(2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. नौसेना (पेंशन) विनियम, 1964, में विनियम 183 के स्थान पर, निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जायगा, अर्थात् :—

"183 उन्मत्त पेंशनरों की बाबत संदाय—जब पेंशनर मजिस्ट्रेट द्वारा उन्मत्त प्रमाणित कर दिया गया है तब पेंशन या उपदान, या बालक भत्ता सक्षम प्राधिकारी द्वारा निम्नानुसार विनियमित किया जायगा :—

(क) जहां उन्मत्त पेंशनर पागलखाने में रखा गया है—विनियम 189 और 194 द्वारा यथा अपेक्षित जीवन प्रमाणपत्र और पेंशन प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए जाने पर सम्पूर्ण पेंशन या उपदान या बालक भत्ता पेंशनर के आश्रितों को संदत्त किया जायगा, और उनके द्वारा पेंशनर के भरण पोषण के खर्च के संदाय का प्रश्न पागलखाना प्राधिकारियों द्वारा भारतीय पागलपन अधिनियम, 1912 (1912 का 4) की धारा 26 के उपबन्धों के अनुसार आवदन दिए जाने पर न्यायालय के विनिश्चय के लिए छोड़ दिया जायगा।

(ख) जहां उन्मत्त पेंशनर अपने आश्रितों की देखरेख में हैं—खण्ड (क) में निर्दिष्ट दस्तावेज प्रस्तुत किये जाने पर पेंशनर के आश्रितों का सम्पूर्ण पेंशन या उपदान या बालक भत्ता संदत्त किया जायगा।

(ग) जहां उन्मत्त पेंशनर भ्रम या किसी अन्य नातेदार की देख रेख में हैं—पेंशन या उपदान या बालक भत्ता दो भागों में संदेय होगा—एक पागल की देखरेख करने वाले व्यक्ति को और दूसरा खण्ड (क) में निर्दिष्ट दस्तावेजों के प्रस्तुत किए जाने पर पेंशनर के आश्रितों को।

इन दो श्रेयों की मात्रा सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्थायी, सिविल प्राधिकारियों के परामर्श से श्रवधारित की जायगी और, ऐसा श्रवधारित होने तक, पेंशनर के आश्रितों का पेंशन या उपदान या बालक भत्ते का आधा भाग संदाय किया जायगा।

स्पष्टीकरण :— पुनः स्वस्थ—चित्ता प्राप्त कर लेने पर पेंशनर का फिर से संदाय आरम्भ करने के प्रयोजन के लिए मजिस्ट्रेट का उस प्रभाव का प्रमाणपत्र प्रेषित किया जायगा।

[फाइल सं०/पी०एन/2238/पी०सी०-एक्स० आई/5945/डी० (पेंशन/सिविसिज) (वित्त मंत्रालय (रक्षा/पेंशन) का अशासकीय सं० 2881 1970)]

एन० एस० एस० राजन, उप सचिव।

New Delhi, the 8th November 1970

S.R.O. 458.—In exercise of the powers conferred by section 60 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924) the Cantonment Board, Ferozepore, with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following amendment to the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. S. R. O. 134, dated the 14th April, 1960, namely:—

In the said notification, in item (i) relating to Cinema shows, for the entry "Rs. 4-00 per show", the entry "Rs. 7-50 paise per show" shall be substituted.

[File No. 53/16/C/70/3700-CD(Q&C)]

नई दिल्ली, 8 नवम्बर 1970

का० नि० आ० 458—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 60 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार की पूर्वतन मन्जूरी के साथ, फिरोजपुर छावनी बोर्ड, एतद्द्वारा भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना सं० का नि० आ० 134 तारीख 14 अप्रैल, 1960 में निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में, चलचित्र प्रदर्शन से सम्बन्धित मद (1) में "4 रु० प्रति प्रदर्शन" प्रविष्टि के स्थान पर "7.50 रु० प्रति प्रदर्शन" प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायगी।

[फाइल सं० 53/16/सी०/एल० एण्ड सी/70/3700-सी/डी (व्यू० एण्ड सी)]

S.R.O. 459.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Shri L. T. Singh has been elected as a member of the Cantonment Board, Jalapahar.

[File No. 29/69/C/L & C/66/3695-CD(Q & C).]

का० नि० आ० 459—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा अधिसूचित करती है, कि श्री एल० टी० सिंह छावनी बोर्ड जालापहाड़ से सदस्य के रूप निर्वाचित हुए

[फाइल सं० 29/69/सी०/एल एण्ड सी०/66/3695-सी/डी (व्यू० एण्ड सी०)]

New Delhi, the 10th November 1970

S.R.O. 460.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board, Fatehgarh by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Shri Sundar Lal, Magistrate 1st Class.

[File No. 19/38/C/L&C/65/3724-CD(Q&C).]

S. P. MADAN, Under Secy-

नई दिल्ली, 10 नवम्बर 1970

का० नि० आ० 460.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, फतेहगढ़ की सदस्यता में श्री सुन्दर लाल के त्यागपत्र के केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक जगह रिक्त हो गई है।

[फाइल सं० 19/38/सी०/एल० एण्ड सी०/65/3724-सी०/डी० व्हा० एण्ड सी०]

एस० पी० मदान, अवर सचिव।